

25/8/21

परापूर्णी प्रेम द्वारा अखिलवत्ता उभय पक्ष
अनुवाचित। पापलक्ष्य समय में रुक-रुक
का कोई कार आवाज लावाते पट भी

2010

00039

शिव च प्रभु
हृदि मल्लह
मिह कि मरु
हु शिव म

अखिलवत्ता उभय पक्ष अथवा उभय
पक्षकाय उपासीत नही हुए। अतः
प्रकार अर्जुन को देख 9 नियम उजांवी
के तहत खरीज किया जाता है। परापूर्णी
फैसल शुभा होकर नभवा से कम हो।



श्याम सुन्दर बिश्नोई
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
विशौङ्गाद (सज.)